अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : विशेषांक 479, वर्ष 38

राँची, 31 जुलाई, 2014

आम्रपाली खुली खदान का लोकार्पण

माननीय केन्द्रीय विद्युत, कोयला, नवीन व नवीनीकृत ऊर्जा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार श्री पीयूष गोयल ने विगत 11 जुलाई को नई दिल्ली से 12 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता वाली सीसीएल आम्रपाली खुली खदान का विधिवत रूप से ऑन लाइन लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि सीसीएल में कार्य निष्पादन के हरेक क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार में आगे बढ़ने की मंशा दिखाई देती है। कल ही देश का आम बजट पेश किया गया है, आज सीसीएल के आम्रपाली खुली खदान परियोजना का लोकार्पण हो रहा है, जो कोयला उत्पादन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। देश में कोयले का उत्पादन बढ़ेगा तो देश की ऊर्जा की आवश्यकता पूरी हो सकेगी और 24X7 घंटे बिजली आपूर्ति करने का वादा भी पूरा हो सकेगा। उन्होंने

आम्रपाली परियोजना के लोकार्पण समारोह में अपने उद्‌गार व्यक्त करते माननल

टोरी–शिवपुर रेलवे लाइन के संबंध में कहा कि इसके बन जाने से कोयला प्रेषण में सुविधा होगी। माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि भूमि के सत्यापन हेतु झारखंड के सांसद राज्य सरकार से

आम्रपाली परियोजना का आन लाईन लोकार्पण करते माननीय केन्द्रीय कोयला नवीन व नवीनीकृत उर्जा मंत्री श्री पीयुष गोयल एवं माननीय अतिथिगण

मिलकर इस संबंध में बातचीत कर हल निकालने का प्रयास करें, जरूरत पड़ने पर वे भी इस विषय पर बातचीत के लिए उपलब्ध रहेंगे। श्री गोयल ने जमीन की कम्पनसेशन सही तरीके से देने का निर्देश दिया, साथ ही पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य लोकोपकारी कार्यों पर ध्यान देने की बात कही।

चतरा संसदीय क्षेत्र के माननीय सांसद श्री सुनील कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि कोयला परियोजना हेतु एवं मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए हम सभी तत्पर हैं।

उद्‌घाटन समारोह के अवसर पर झारखंड राज्य से निर्वाचित लोक सभा एवं राज्य सभा के माननीय सांसद सर्वश्री सुदर्शन भगत, पी एन सिंह, रविन्द्र कुमार पांडे, निशिकान्त दुबे, बी डी राम, विद्युतवरण महतो, जयन्त सिन्हा, विजय हांसदा, सुनील कुमार सिंह, धीरज साहू, संजीव कुमार सहित कोयला सचिव श्री एस के श्रीवास्तव, अध्यक्ष, कोल इंडिया डा. ए के दूबे, सीसीएल सीएमडी श्री गोपाल सिंह एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने लोकार्पण समारोह में उपस्थित सभी माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सीसीएल की आम्रपाली परियोजना एक महत्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित परियोजना है जिससे सीसीएल के कोयला उत्पादन में वृद्धि होगी और देश को कोयले की आपूर्ति में और अधिक बढ़ोतरी होगी। उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा मिले सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि मगध–आम्रपाली परियोजना में सहयोग करने वाले सीसीएल वृहद परिवार के सदस्यों, ग्रामीण भाइयों और विशेषकर उन ग्रामीणों, जिनकी जमीन इस परियोजना में ली गई है, की सहभगिता सराहनीय है। उन्होंने आम्रपाली परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आम्रपाली खुली खदान में 291.1 मिलियन टन कोल रिजर्व है तथा खदान की आयु 30 वर्ष है। कुल ओवर बर्डेन 459.68 मिलियन क्यूबिक मीटर है। इस परियोजना के लिए कुल 1426.08 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता है जिसमें 739.08 हेक्टेयर वन भूमि एवं 633 हेक्टेयर गैर वन भूमि शामिल है। आम्रपाली परियोजना के विकास के क्रम में छः गांवों को पुनर्वास करने की आवश्यकता है। आम्रपाली परियोजना से निष्कासित कोयले का प्रेषण टोरी–शिवपुर रेलवे

उद्‌घाटन समारोह में विचार व्यक्त करते सीएमडी श्री गोपाल सिंह

लाइन से किया जायगा। टोरी–शिवपुर–कठोतिया रेलवे लाइन तैयार होने में विलम्ब के कारण कोयला प्रेषण के लिए सड़क मार्ग की तात्कालिक व्यवस्था की जा रही है। 32 किलोमीटर आम्रपाली–बालूमाथ रोड के निर्माण का कार्य झारखंड सड़क निर्माण विभाग को सौंपा गया है। सड़क का निर्माण स्टेट हाईवे ऑथोरिटी ऑफ झारखंड द्वारा की जायगी।

अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित होना पड़ेगा!

– ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

सुपर स्पेशियलिटी अपडेट कार्यशाला का आयोजन

सीसीएल के गांधीनगर केन्द्रीय अस्पताल में पूरा कुल्हा एवं पूरा घुटना (टोटल हिप एण्ड टोटल नी रिप्लेसमेंट) प्रत्यारोपण आपरेशन तथा स्पाइनल सर्जरी पर तीन–दिवसीय (1–3 जुलाई) सुपर स्पेशियलिटी अपडेट कार्यशाला का उद्‌घाटन विगत 01 जुलाई को सीसीएल के सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में देश के जाने माने विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रमानुसार सैनिक अस्पताल, नई दिल्ली के ब्रिगेडियर डा. वी के सिन्हा के नेतृत्व में 01 जुलाई को श्रीमती मार्ची देवी, ढोरी क्षेत्र तथा श्री रघुनाथ महतो, कुजू क्षेत्र का टोटल हिप रिप्लेसमेंट आपरेशन किया गया। डा. सिन्हा के साथ सीसीएल के डा. राजेश्वर सिंह, अस्थि रोग विशेषज्ञ के नेतृत्व में उनकी टीम के चिकित्सक डा. तरबेज, डा. निर्मल, अस्थि रोग चिकित्सक, डा. उदय सिन्हा एवं डा. अभिषेक, निश्चेक एवं अन्य पारामेडिकल कर्मियों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर एम्स दिल्ली के प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ डा. भावुक गर्ग ने उपस्थित चिकित्सकों को कुल्हा प्रत्यारोपण एवं कंधा प्रत्यारोपण पर अपना ज्ञानबर्द्धक व्याख्यान दिया।

सीएमडी, श्री गोपाल सिंह ने कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए कहा कि अस्थि रोग एवं स्पाइनल सर्जरी के इलाज हेतु गांधीनगर अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी क्लीनिक खोलने की दिशा में सीसीएल का यह पहला कदम है। उन्होंने कहा कि राज्य सर. कार, एम्स दिल्ली तथा सीसीएल द्वारा चलायी जानेवाली यह एक त्रिपक्षीय प्रक्रिया है। श्री सिंह ने एम्स प्रबंधन से इस क्लीनिक को चलाने का आग्रह किया। एम्स प्रबंधन ने कहा कि वे अपने विशेषज्ञ चिकित्सक यहां समय समय पर भेजते रहेंगे। श्री सिंह ने कहा कि सीसीएल गांधीनगर अस्पताल परिसर के पास की भूमि पर इस क्लीनिक के लिए भवन का निर्माण करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में बेहतरी के लिए सीसीएल प्रबंधन गंभीर है और सतत प्रयासरत है। इस कार्यशाला के आयोजन से निश्यच ही मरीजों को गांधीनगर अस्पताल में ही और अच्छे इलाज की सुविधा मिल पायगी। 2 और 3 जुलाई को कांके रोड स्थित आइआइसीएम, रांची में उक्त विषयों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों का व्याख्यान हुआ जिसमें कोल इंडिया के विभिन्न अनुषंगी कम्पनियों के अस्थिरोग चिकित्सक लाभान्वित हुए।

रक्तदान शिविर

केन्द्रीय अस्पताल, एन के (डकरा) में विगत 19 जुलाई को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुल 60 लोगों ने रक्तदान हेतु निबंधन कराया जिसमें से 55 लोगों को रक्तदान हेतु योग्य पाया गया और कुल 55 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का उद्‌घाटन एन. के. क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री बी. आर. रेड्डी ने किया।

इस शिविर के सफल आयोजन में एन. के. क्षेत्र के क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी डा. बी. के. मिश्रा और उनकी टीम, गांधीनगर पैथोलोजी के डा. के. के. दास, डा. इन्दु कुमारी, एन. के. क्षेत्र के डा. सचिन, डा. ए. आर. मुन्डा, बुडमु पी. एच. सी. के डा. विनोद कुमार एवं पारा मेडिकल कर्मी सर्वश्री डी. कुमार, ए. के, गुप्ता एवं मीना कुमारी के अथक एवं सक्रिय सहयोग से सम्पन्न हुआ।

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक, (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : जयेश रावल, जनसम्पर्क सहायक, सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित। (आंतरिक वितरण हेतु)